University in News on 13 June 2022

i-NEXT PAGE 3

एलयू ने खोजी दुर्लभ प्रजाति की तितली

i GOOD NEWS

सुहेलवा वन्यजीव अभयारण्य में मिलीं तितलियों की 50 से अधिक प्रजातियां

LUCKNOW(12 JUNE): वैसे तो दुनिया में तितलियां अपनी सुंदरता की वजह से सबको आकर्षित करती हैं. इनमें कई ऐसी भी हैं, जो दुर्लभ ही दिखती हैं. लखनऊ विश्वविद्यालय के वन्यजीव विज्ञान संस्थान की शोधार्थी ज्योति अंतिल की ओर से बीते दिनों सुहेलवा वन्यजीव अभ्यारण में किए गए सर्वेक्षण में ऐसी दुर्लभ प्रजाति की 11 तितलियों का बसेरा देखने को मिला है. वहीं, 50 से ज्यादा सामान्य प्रजातियां भी यहां नजर आईं अब यह पता लगाया जाएगा कि मौसम के अनुसार किस प्रजाति की तित.लियां सर्वाधिक किन स्थानों पर मिलती हैं.

एक सप्ताह लग गया

वन्यजीव विज्ञान संस्थान की समन्वयक प्रो. अमिता कनौजिया के नेतृत्व में ज्योति अंतिल पीएचडी कर रही हैं. ज्योति बताती हैं कि दुनियाभर में तितलियों की 18,000 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं. भारत में इन प्रजातियों की संख्या 1,300 से अधिक है. तितलियों की नई प्रजातियों का पता लगाने के लिए मार्च के महीने में एक सप्ताह तक सुहेलवा वन्यजीव अभ्यारण का सर्वेक्षण किया. टीम में ज्योति के साथ कृतिका राव, शिवांशू राठौर और प्रशांत त्रिपाठी भी शामिल रहे.

इन स्थानों का सर्वेक्षण

सुहेलवा वन्यजीव अभ्यारण के पूर्वी, पश्चिमी और पिपरा रेंज में आने वाले रामपुर बंधा, खैरमान बंधा, सुनपथरी नाल्ला, हथियाकुण्डा नाल्ला में कामन रोज, लाइम, अफ्रीकन बबूल ब्लू, डार्क ब्लू टाइगर, लार्ज सिल्वर स्ट्राइप, इंडियन फ्रिटिलेरी सहित 50 से अधिक तितलियों की प्रजातियां देखीं. इनमें 11 दुर्लभ प्रजाति भी मिलीं, इनके रंग भी काफी चटख हैं. अब तराई क्षेत्र के विभिन्न संरक्षित क्षेत्रों में अलग-अलग ऋतु में पायी जाने वाली तितलियों की प्रजातियां और उनके लिए विशिष्ट पौधों की जानकारी पर सर्वेक्षण होगा.

ये हैं दुर्लभ प्रजाति की तितलियां

- कामन लेपर्ड
- लेमन पैनसी
- पीली पैनसी
- कामन कैस्टर
- ग्रास ब्लू
- फार्गेट मी नोट
- ट्री नीम्फ्स
- ग्रास डेमन
- काम ग्रास डार्ट
- टेल्ड जय, ट्वनी कास्टर

JAGRAN CITY PAGE I

लवि की शोधार्थी ने तितलियों की 11 दुर्लभ प्रजातियां खोजी

जासं, लखनऊ : वैसे तो दुनिया में तितलियां अपनी सुंदरता की वजह से सबको आकर्षित करती हैं। इनमें कई ऐसी भी हैं, जो दुर्लभ ही दिखती हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के वन्यजीव विज्ञान संस्थान की शोधार्थी ज्योति अंतिल की ओर से बीते दिनों सुहेलवा वन्यजीव अभ्यारण में किए गए सर्वेक्षण में ऐसी दुर्लभ प्रजाति की 11 तितलियों का बसेरा देखने को मिला है। वहीं, 50 से ज्यादा सामान्य प्रजातियां भी वहां नजर आईं। अब यह पता लगाया जाएगा कि मौसम के अनुसार किस प्रजाति की तितलियां सर्वाधिक किन स्थानों पर मिलती हैं।

वन्यजीव विज्ञान संस्थान की समन्वयक प्रो. अमिता कनौजिया के नेतृत्व में ज्योति अंतिल पीएचडी कर रही हैं। ज्योति बताती हैं कि दुनियाभर में तितलियों की 18,000 से अधिक प्रजातियां पाई जाती है। भारत में इन प्रजातियों की संख्या 1,300 से अधिक है। तितलियों की नई प्रजातियों का पता लगाने के लिए मार्च के महीने में एक सप्ताह तक सुहेलवा वन्यजीव अभ्यारण का सर्वेक्षण किया। टीम में ज्योति के साथ कृतिका राव, शिवांशू राठौर और प्रशांत त्रिपाठी भी शामिल रहे।

ट्वनी कास्टर तितली ● सौजन्यः स्वयं

लखनऊ विश्वविद्यालय के वन्य जीव विज्ञान संस्थान की शोध छात्रा ज्योति आंतिल ने अपनी टीम के साथ सुहेलवा वन्यजीव अभ्यारण्य मे अपनी टीम के साथ तितलियों का सर्वेक्षण किया ● सौजन्यः स्वयं

इन स्थानों का किया सर्वेक्षण : सुहेलवा वन्यजीव अभ्यारण के पूर्वी, पश्चिमी और पिपरा रेंज में आने वाले रामपुर बंधा, खैरमान बंधा, सुनपथरी नाल्ला, हथियाकुण्डा नाल्ला में कामन रोज, लाइम, अफ्रीकन बबूल ब्लू, डार्क ब्लू टाइगर, लार्ज सिल्वर स्ट्राइप, इंडियन फ्रिटिलेरी सहित 50 से अधिक तितलियों की प्रजातियां देखीं। इनमें से कुछ की संख्या बहुत ही अधिक रही। इनमें 11 दुर्लभ प्रजाति भी मिलीं हैं। इनके रंग भी काफी चटख हैं। अब तराई क्षेत्र के विभिन्न संरक्षित क्षेत्रों में अलग-अलग ऋतु में पायी जाने वाली तितलियों की प्रजातियां और उनके लिए विशिष्ट पौधों की जानकारी पर सर्वेक्षण होगा।

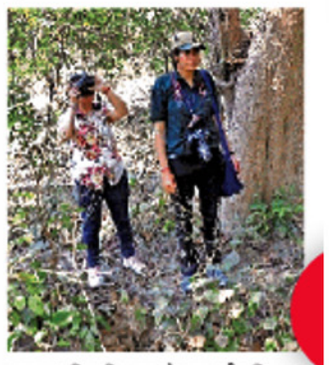

ये रहीं दुर्लभ प्रजाति वाली तितलियां : कामन लेपर्ड, लेमन पैनसी, पीली पैनसी, कामन कैस्टर, ग्रास ब्लू, फार्गेट मी नोट, ट्री नीम्फ्स, ग्रास डेमन, काम ग्रास डार्ट, टेल्ड जय, ट्वनी कास्टर।

लखनऊ विश्वविद्यालय में 14 जून को रक्तदान शिविर

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग, बाल कल्याण परिषद और एकल फ्यूचर के संयुक्त तत्वाधान में 14 जून को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। राधा कमल मुखर्जी सभागार में सुबह 10 से शाम पांच बजे लगने वाले इस शिविर में मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय होंगे। (जासं)